अध्याय-2

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां

उपयोगकर्ता एजेन्सियों को पूर्व में हस्तान्तरित प्रौद्योगिकियां :

1. यूकेलिप्टस प्रजातियों एवं पॉपलर की चिराई और रूपान्तरण तकनीक।
2. दरवाजे और खिड़कियों के लिए पॉपलर का उपयोग।
3. फर्नीचर और जुड़ाई के लिए पापलरों/यूकेलिप्टस हेतु किशोर काष्ठ के उपयोग के लिए प्रौद्योगिकी।
4. गौण प्रजातियों (विशेषकर यूकेलिप्टस प्रकाष्ठ) के परिरक्षक उपचार।
5. सौर तथा ऊर्जा सक्षम शोषक आधारित आपाकों की स्थापना, प्रकाष्ठ का संशोषण।
6. काष्ठ का प्लास्टिकीकरण और बंकन तकनीकें।
7. काष्ठ की रंगाई और अमोनिया धूम्रीकरण।
8. पेन्सिल निर्माण के लिए पॉपलर और पावलोनिया प्रजातियां।
9. बांसों का वृहद् प्रवर्धन।
10. जिगत स्थानापन्न।
11. वन जैव मात्रा से प्राकृतिक रंजक।
12. कागज निर्माण में बैकवाटर उपचार हेतु उर्णी तैयार करना।
13. जट्रोफा करकश बीज तेल के निराविषीकरण के लिए प्रक्रिया।
14. जैवबहुलकों से आसंजक तैयार करना।
15. केसिया टोरा गम तैयार करना और उपयोग।
16. यून्केरिया गैम्बियर से कत्था तैयार करने की प्रक्रिया।
17. पादप जैवमात्रा से कम्पोस्ट तैयार करने की प्रक्रिया।

उपयोगकर्त्ता एजेन्सियों में हस्तान्तरण हेतु तैयार प्रौद्योगिकियां :

1. रस विस्थापन तकनीकें।
2. कैटामरैनों के लिए वैकल्पिक प्रकाष्ठ का उपयोग।
3. झिंगन गम-अगरबत्ती निर्माण में जिगत के लिए एक आंशिक स्थानापन्न।

4. क्षेत्र में तेल आसवन के लिए पोर्टेबल आसवन इकाई।
5. विभिन्न विधियों (यात्रिक, वन संवर्धनिक, रासायनिक वानस्पतिक और जैव नियंत्रण) को मिलाकर एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन रणनीतियां।
6. पौधशाला और क्षेत्र में विभिन्न वृक्ष प्रजातियों की वृद्धि में बढ़ोतरी के लिए जैव उर्वरक उपयोग।
7. कृषि वानिकी में कैज्वारिना।
8. कायिक उपायों द्वारा वांछित रोपण स्टॉक के बहुमात्र वृद्धि के लिए लागत प्रभावी अवसंरचना विकास।
9. बीज प्रौद्योगिकी।
10. कृषि वानिकी मॉडल।
11. अकाष्ठ वन उपज के लिए निम्न लागत ड्राट टाइप ड्रम शुष्कक।
12. औषधीय पादपों की कृषि।
13. अकाष्ठ वन उपज।
14. बांसों का ऊतक संवर्धन।
15. बीज परीक्षण प्रौद्योगिकियां।
16. पौधशाला पद्धतियों के लिए उन्नत उपकरण।
17. वर्मिकम्पोस्ट।
18. बम्बूसा न्यूटन्स प्रजाति में बांस अंगमारी रोग का वन संवर्धनिक और रासायनिक नियंत्रण।
19. वर्षा जल संचयन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकी।
20. दाब स्थलों के वनीकरण के लिए तकनीकें।
21. खनित भूमियों एवं अधिभार ढ़ेरों का पुनर्वास तथा पारि-पुनरूद्धार।
22. सागौन के पर्ण कंकालक प्रतिरोधी कृन्तक।
23. यूकेलिप्टस की क्लोनीय गुणन।